घूँघट के पट खोल

घूँघट के पट खोल रे,
तोहे पिया मिलेंगे ।

घट घट मै तेरे साईं बसत है,
कटुक बचन मत बोल रे ।

धन जोबन का गरब ना कीजे,
झूठा इन का मोल ।

जाग यतन से रंग महल में,
पिया पायो अनमोल ।

सूने मंदिर, दिया जला के,
आसन से मत डोल ।

कहत 'कबीर' सुनो भाई साधों,
अनहद बाजत ढोल ।

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/29/title/ghunghat-ke-pat-khol-re-toko-piya-milenge

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |